

२८६
१९८१

भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 225] नई दिल्ली, सोमवार, जून 1, 1981/ज्येष्ठ 11, 1903

No. 225] NEW DELHI, MONDAY, JUNE 1, 1981/JYAISTHA 11, 1903

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

उद्योग मंत्रालय

(आौद्योगिक विकास विभाग)

आवेदन

नई दिल्ली, 1 जून, 1981

का. ला. 405 (अ)।—केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास और विनियमन)
अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18कक्ष ती उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त
शक्तिया का प्रयोग करता हुए, भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (आौद्योगिक

विकास विभाग) के आदेश मंस्या नं. आ. 454 (अ.) तारीह 18 जलाई, 1978 का निम्नलिखित और संघोधन करती है अर्थात् :—

उक्त आदेश के पैरा 2 में “अध्यक्ष” शब्दके नीचे, मद 1 और उससे मंजूरित प्रविधि के स्थान पर निम्नलिखित रुद्धा जाएगा, अर्थात् :—

“1. श्री ए. बन्दोपाध्याय,
मंत्र्यक्त सचिव, भारत सरकार,
नागरिक पूर्ति मंत्रालय, नई दिल्ली,”

[फा. मं. 4(5)/80-सी ए.एस]
मी. के. मोदी, संयक्त सचिव

MINISTRY OF INDUSTRY
(Department of Industrial Development)

ORDER

New Delhi, the 1st June, 1981

S.O. 405(E)—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 18AA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby makes the following further amendment in the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 454(E) dated the 18th July, 1978, namely :—

In the said Order, in paragraph 2 under the heading “CHAIRMAN” for item 1 and the entry relating thereto, the following shall be substituted, namely :—

“1. Shri A. Bandopadhyaya,
Joint Secretary,
Ministry of Civil Supplies,
New Delhi.”

I.F. No. 4(5)/80-CUSI
C. K. MODI, Lt Secy.